

**SOCIOLOGY**

**Paper—I**

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

**INSTRUCTIONS**

*Each question is printed both in Hindi and in English.*

*Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.*

*Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any three of the remaining questions selecting at least one question from each Section.*

*The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.*

---

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

## Section—A

1. Write short notes on any *four* of the following, keeping sociological perspectives in view (each short note in about 200 words) :

15×4=60

- (a) Content Analysis
  - (b) Nomothetic and Idiographic Methods
  - (c) Serendipity
  - (d) Cybernetic Hierarchy of Control
  - (e) Ethnicity and Development
2. (a) "Sociology without History is rootless and History without Sociology is fruitless." Elaborate. 30
- (b) Examine the social dimensions of religious revivalism and fundamentalism in the context of globalisation. 30
3. (a) "Work in capitalism is reduced to mere labour in which the individual does not develop freely his physical and mental energy but mortifies his body and ruins his mind." Critically evaluate the assertion. 30
- (b) Compare Karl Marx with Emile Durkheim with reference to the framework of 'division of labour'. 30

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर समाजशास्त्रीय संदर्शों को ध्यान में रखते हुए संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (प्रत्येक संक्षिप्त टिप्पणी लगभग 200 शब्दों में होनी चाहिए) : 15×4=60
- (क) अन्तर्वस्तु विश्लेषण  
(ख) नियमान्वेषी और व्यक्त्यंकन विधियाँ  
(ग) आकस्मिक लाभवृत्ति  
(घ) नियंत्रण का संतांत्रिक (साइबर्नेटिक) सोपान  
(ङ) नृजातीयता और विकास
2. (क) “इतिहास के बिना समाजशास्त्र मूलहीन है और समाजशास्त्र के बिना इतिहास फलहीन।” इसको सविस्तार स्पष्ट कीजिए। 30
- (ख) वैश्वीकरण के सन्दर्भ में धार्मिक पुनरुज्जीवनवाद और कट्टरवाद के सामाजिक आयामों का परीक्षण कीजिए। 30
3. (क) “पूँजीवाद में कार्य केवल ऐसे श्रम में परिणत कर दिया जाता है, जिसमें व्यक्ति अपनी शारीरिक एवं मानसिक ऊर्जा का मुक्त रूप से विकास नहीं करता है, वरन् अपने शरीर का दमन कर देता है और अपने मन का विनाश कर देता है।” इस दृढ़ कथन का समालोचनापूर्वक मूल्यांकन कीजिए। 30
- (ख) ‘श्रम विभाजन’ के ढाँचे के प्रसंग में कार्ल मार्क्स की एमिल दुर्खीम के साथ तुलना कीजिए। 30

4. (a) Critically analyse the contributions of G. H. Mead to 'symbolic interactionism'. 30
- (b) Examine how open and closed systems of stratification are undergoing transformation in the emergence of new hierarchical social order in societies. 30

### Section—B

5. Write short notes on any *four* of the following, from a sociological perspective (each short note in about 200 words) : 15×4=60
- (a) Feminisation of Labour in Informal Sector
- (b) Identity Politics
- (c) Positive Religion
- (d) Kinship and Social Capital
- (e) Human Relations School of Thought by Elton Mayo as a social organisation of work process in industry
6. (a) "There has been a substantial decline in labour class and increase in labour force in non-manual jobs with the advent of new technological revolution." Critically examine. 30
- (b) Distinguish between people being socially excluded and people excluding themselves socially in societies. 15

4. (क) 'प्रतीकात्मक अन्योन्यक्रियावाद' को जी० ऐच० मीड के योगदानों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 30
- (ख) परीक्षण कीजिए कि समाजों में नव सोपानिक सामाजिक व्यवस्था के प्रादुर्भाव में, स्तरीकरण के मुक्त एवं संवृत तंत्रों में किस प्रकार से रूपान्तरण हो रहा है। 30

**खण्ड—ख**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर समाजशास्त्रीय संदर्शों को ध्यान में रखते हुए संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (प्रत्येक संक्षिप्त टिप्पणी लगभग 200 शब्दों में होनी चाहिए) : 15×4=60
- (क) अनौपचारिक क्षेत्रक में श्रम का स्त्रीकरण
- (ख) पहचान की राजनीति
- (ग) सकारात्मक धर्म
- (घ) बन्धुता और सामाजिक पूँजी
- (ङ) उद्योग में कार्य प्रक्रम के सामाजिक संगठन के रूप में एल्टन मेयो द्वारा मानवीय सम्बन्ध विचार-सम्प्रदाय
6. (क) "नव प्रौद्योगिकीय क्रांति के आगमन के साथ श्रमिक वर्ग में काफी घटती हुई है और गैर-शारीरिक श्रम जॉबों में श्रमिक बल में बढ़ती हुई है।" समालोचनापूर्वक परीक्षण कीजिए। 30
- (ख) समाजों में सामाजिकतः अपवर्जित किए जा रहे लोगों और समाजों में अपने आपको सामाजिकतः अपवर्जित करने वाले लोगों के बीच विभेदन कीजिए। 15

- (c) "Science has empirical means to logical ends and religion has non-empirical means to logical ends." Comment. 15
7. (a) List the sources of power and explain the various indicators based on which power can be measured. 30
- (b) Analyse the social impact of market economy on traditional societies. 15
- (c) Examine the social dimensions of displacement induced by development. 15
8. (a) Evaluate how civil society and democracy mutually reinforce each other. 30
- (b) Examine Karl Marx's views on 'class-in-itself' and 'class-for-itself' with reference to proletarians. 30

- (ग) “विज्ञान के पास तार्किक लक्ष्यों तक के लिए इंद्रियानुभविक साधन हैं और धर्म के पास तार्किक लक्ष्यों तक के लिए गैर-इंद्रियानुभविक साधन हैं।” टिप्पणी कीजिए। 15
7. (क) शक्ति के स्रोतों की सूची बनाइए और उन विभिन्न संकेतकों को स्पष्ट कीजिए जिनके आधार पर शक्ति का मापन किया जा सकता है। 30
- (ख) पारम्परिक समाजों पर बाज़ार अर्थव्यवस्था के सामाजिक प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। 15
- (ग) विकास के द्वारा उत्प्रेरित विस्थापन के सामाजिक आयामों का परीक्षण कीजिए। 15
8. (क) मूल्यांकन कीजिए कि नागरिक समाज और लोकतंत्र एक-दूसरे को किस प्रकार से परस्पर-प्रबलित करते हैं। 30
- (ख) सर्वहारा के प्रसंग में ‘स्वयं-में-वर्ग’ और ‘स्वयं-के-लिए-वर्ग’ पर कार्ल मार्क्स के विचारों का परीक्षण कीजिए। 30

\*\*\*

52

C-DTN-K-TPA

समाजशास्त्र

प्रश्न-पत्र—I

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अन्त में दिए गए हैं।

---

**Note :** English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.



Sl. No. 1568

C-DTN-K-TPB

**SOCIOLOGY**

**Paper II**

*Time Allowed : Three Hours*

*Maximum Marks : 300*

**INSTRUCTIONS**

*Each question is printed both in Hindi and in English.*

*Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.*

*Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any three of the remaining questions selecting at least one question from each Section.*

*All questions carry equal marks.*

---

**ध्यान दें :** अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

## Section 'A'

1. Write short notes with a sociological perspective on the following in not more than 200 words each :  
3×20=60

- (a) A. R. Desai's characterization of leadership of Indian freedom movement.
- (b) Women in the I. T. sector.
- (c) The Parsi community and its contribution to Indian society.

2. Comment critically on each of the following in about 200 words :  
3×20=60

- (a) The heterogenic features that influenced Indian tradition, according to Yogendra Singh.
- (b) Linkages between Patriarchy and honour killings.
- (c) Dumont's concept of homohierarchicus.

3. (a) With reference to their understanding of the Indian village, compare the perspectives of M. N. Srinivas and S. C. Dube. 30

- (b) Critically assess the forms in which untouchability continues to be practised. 30

## खण्ड 'क'

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर, समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य से संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए, जो प्रत्येक 200 से अधिक शब्दों में न हो :  $3 \times 20 = 60$

(क) भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के नेतृत्व का ए. आर. देसाई का चरित्रांकन।

(ख) आई. टी. क्षेत्रक में महिलाएं।

(ग) पारसी समुदाय और भारतीय समाज को उसका योगदान।

2. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 200 शब्दों में समालोचनात्मक टिप्पणी लिखिए :  $3 \times 20 = 60$

(क) योगेन्द्र सिंह के अनुसार विषमजीनी अभिलक्षण, जिन्होंने भारतीय परंपरा पर प्रभाव डाला था।

(ख) पितृतंत्र और प्रतिष्ठा हत्याओं के बीच अनुबंधन।

(ग) 'होमोहियरार्किकस' की डूमों की संकल्पना।

3. (क) एम. एन. श्रीनिवास और एस. सी. दूबे की भारतीय ग्राम की अपनी-अपनी समझ का उल्लेख करते हुए, उनके परिप्रेक्ष्यों की तुलना कीजिए। 30

(ख) उन रूपों का समालोचनात्मक आकलन कीजिए, जिन में अस्पृश्यता पर आचरण करना अभी तक भी जारी है।

30

4. (a) Discuss the inter-relationships between caste, class and power. 30
- (b) How far is the structural functional perspective helpful in understanding changes in contemporary Indian society? 30

### Section 'B'

5. Write short notes on the following in not more than 200 words each. Your answers should have a sociological perspective. 3×20=60
- (a) Factors responsible for increasing demands for the formation of separate states.
- (b) Social security measures for the elderly.
- (c) Ethnic movements.
6. (a) Evaluate the policy of SEZ (special economic zones) and the nature of social response to it. 30
- (b) From a sociological perspective, examine the effects of the BPO industry on the youth. 30

4. (क) जाति, वर्ग और शक्ति के बीच के परस्पर संबंधों पर चर्चा कीजिए। 30

(ख) समकालीन भारतीय समाज में परिवर्तनों को समझने में, संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य कहाँ तक सहायक है। 30

खण्ड 'ख'

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर, 200 शब्दों के अंदर, संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए। आपके उत्तरों का समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य होना चाहिए : 3×20=60

(क) पृथक राज्यों का निर्माण करने की बढ़ती हुई मांगों के लिए उत्तरदायी कारक।

(ख) वयोवृद्धों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपाय।

(ग) नृजातीय आंदोलन।

6. (क) सेज़ (विशेष आर्थिक क्षेत्र) की नीति और उसके प्रति सामाजिक अनुक्रिया की प्रकृति का मूल्यांकन कीजिए। 30

(ख) युवा वर्ग पर बी. पी. ओ. उद्योग के प्रभावों का, समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य से, परीक्षण कीजिए। 30

7. (a) Identify the reasons for the resilience of democratic system in India. 30
- (b) Assess the contribution of contemporary women's movements in women's empowerment. 30
8. (a) Discuss the socio-cultural factors for the declining sex-ratio in some states of India. 30
- (b) Highlight the important dimensions of inter-caste conflict in India. 30
-

7. (क) भारत में लोकतंत्रीय प्रणाली के लचीलेपन के कारणों की पहचान कीजिए। 30

(ख) महिला सशक्तीकरण में समकालीन महिला आंदोलनों के योगदान का आकलन कीजिए। 30

8. (क) भारत के कुछ राज्यों में गिरते हुए स्त्री-पुरुष अनुपात के सामाजिक-सांस्कृतिक कारकों पर चर्चा कीजिए। 30

(ख) भारत में अंतरजातीय द्वंद्व के महत्वपूर्ण आयामों पर प्रकाश डालिए। 30

C-DTN-K-TPB

## समाजशास्त्र

प्रश्न-पत्र II

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

### अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है। प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

*Note : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.*